जब दुःख से मन घबरा जाये

जब दुःख से मन घबरा जाये,
हर ओर निराशा छा जाये,
जब दुःख से मन घबरा जाये
हर ओर निराशा छा जाये
जब एक किरण भी आशा की,
आती हो नहीं नजर,
प्रार्थना कर प्रार्थना कर,
जगत के पालन हारे से,
प्रार्थना कर प्रार्थना कर,
हरी ओम हरी ओम हरी ओम हरी ओम
हरी ॐ हरी ॐ हरी ॐ।।

तू जान बूझ कोई पाप ना कर,
हो जाये तो पश्चाताप ना कर,
तू जान बूझ कोई पाप ना कर,
हो जाये तो पश्चाताप ना कर,
ये सब लीला उस ईश्वर की,
तू ध्यान उसी का धर,
प्रार्थना कर प्रार्थना कर,
जगत के पालन हार से,
प्रार्थना कर प्रार्थना कर,
हरी ओम हरी ओम हरी ओम हरी ओम
हरी ॐ हरी ॐ हरी ॐ।।

जिसको ना किसी ने देखा है,
वो एक करम की रेखा है,
जिसको ना किसी ने देखा है,
वो एक करम की रेखा है,
वो सब का भाग्य विधाता है,
सबकी है उसे खबर,
प्रार्थना कर प्रार्थना कर,
जगत के पालन हार से,
प्रार्थना कर प्रार्थना कर,
हरी ओम हरी ओम हरी ओम हरी ओम
हरी ॐ हरी ॐ हरी ॐ।।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23944/title/jab-dukh-se-man-ghbra-jaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |